दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, मंगलवार 07 जनवरी 2025 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 100

महत्वपूर्ण एवं खास

मध्य प्रदेश : सागर में ट्रक से टकराई बोलेरो, चार की मौत

सागर (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के सागर जिले में सोमवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। यहां तेज रफ्तार बोलेरो कार सामने से आ रहे ट्रक से जा टकराई। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई और तीन घायल हो गए। घायलों को सागर रेफर किया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार सुबह काफी घना कोहरा था और इसी दौरान एक बोलेरो कार शाहगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत हीरापुर चौकी क्षेत्र में सामने से आ रहे ट्रक से टकरा गई। बोलेरो में सात लोग सवार थे, जो शाहगढ़ थाना क्षेत्र के अगरा से सागर जा रहे थे। तभी विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक से बोलेरो की टक्कर हो गई। बोलेरो में सवार सात लोगों में से चार की मौत हो गई। ये सभी लोग शाहगढ़ के आसपास के ही निवासी हैं। वही तीन लोग गंभीर रूप से घायल हैं। घायलों को सागर अस्पताल के लिए रेफर किया गया है। बताया गया है कि सोमवार सुबह घना कोहरा था और आमने-सामने से आ रहे वाहन साफ नजर नहीं आ रहे थे। विजिबिलिटी बहुत कम थी। इसी के चलते हीरापुर क्षेत्र में यह हादसा हुआ। हादसे में बोलेरो बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुई है। स्थानीय लोगों और पुलिस के जवानों की मदद से शवों को वाहन से बाहर निकाला गया और घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया।

ललितपुर : प्रेमी-प्रेमिका के अंधे हत्याकांड में पुलिस को मिली बड़ी सफलता

ललितपुर (आरएनएस)। ललितपुर के राजपुर गांव में विगत दिनों हुए प्रेमी-प्रेमिका के अंधे हत्याकांड में पुलिस ने बड़ी सफलता प्राप्त की है। ऑनर किलिंग के इस मामले में पुलिस ने प्रेमिका की मां, पिता और चाचा को गिरफ्तार किया है। एसपी ने मामले का खुलासा करते हुए तीनों आरोपियों को जेल भेज दिया है। घटना में प्रेमी की गला घोटकर हत्या की गई थी, और उसका शव दोनों हाथ बंधी अवस्था में पेड़ से लटकता हुआ मिला था। प्रेमिका का शव खेत में पड़ा मिला था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से पुष्टि हुई कि दोनों की हत्या की गई थी। विगत 1 जनवरी की सुबह थाना जखौरा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम राजपुर के मजरा में प्रेम प्रसंग के चलते ऑनर किलिंग का यह मामला सामने आया था। हत्या में प्रयुक्त रस्सी और बाइक भी बरामद की गई है। पुलिस अब मामले की गहराई से जांच कर रही है।

घर में मृत मिले एक ही परिवार से 4 सदस्य, मरने वालों में दो मासूम की शामिल

नई दिल्ली (आरएनएस)। आईटी सिटी बेंगलुरु में एक दुखद घटना सामने आई है जहाँ एक ही परिवार के चार सदस्यों के शव उनके किराये के मकान में बरामद हुए हैं। यह घटना शहर के सदाशिवनगर पुलिस थाने के अंतर्गत एक इलाके में हुई। मृतकों में दो छोटे बच्चे भी शामिल हैं, जिनकी उम्र 5 और 2 साल है। यह परिवार सुबह ही मृत पाया गया, जिससे इलाके में सनसनी फैल गई। फिलहाल, उनकी मौत के कारणों का पता नहीं चल पाया है और पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है। बेंगलुरु सिटी सेंट्रल के डीसीपी शेखर एच टेकनवर के अनुसार, मृत पाया गया परिवार उत्तर प्रदेश के प्रयागराज (इलाहाबाद) का रहने वाला है। पुलिस मृतकों के बारे में और जानकारी जुटाने में लगी हुई है। इस दुखद घटना में जिन लोगों की जान गई, उनकी पहचान इस प्रकार है: अनुप कुमार, 38 वर्ष के थे और बेंगलुरु में एक निजी फर्म में काम करते थे। उनकी पत्नी राखी, 35 वर्ष की थीं। उनके अलावा, उनकी एक 5 वर्षीय बेटी और एक 2 वर्षीय बेटे की भी इस घटना में मृत्यु हो गई।

“भूख मुक्त भारत’’ मिशन : आदिबोध फाउंडेशन और आरसीएल का समृद्ध भारत की ओर कदम

- पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रुडी है आरसीएल के मानद अध्यक्ष
- राजीव प्रताप रुडी ने बिहार में आरसीएल के खाद्य बैंक की स्थापना की पहल करते हुए रूपरेखा तैयार करने का सुझाव दिया
- मिशन के तहत 26 जनवरी से दिल्ली में नि:शुल्क भोजन वितरण की शुरुआत, जो जल्द ही पूरे देश में लागू होगा
- भारत में हर साल 68.8 मिलियन टन भोजन बर्बाद होता है, जबकि 33.4 मिलियन बच्चे कुपोषण से जूझ रहे हैं
- अधिशेष भोजन के बेहतर उपयोग और हर भारतीय को पोषण सुनिश्चित करना है मिशन का उदेश्य
- शुरुआत के पहले दिन हजारों की संख्या में लोग इस पहल से जुड़े
- मोबाइल नं 9213332999 पर मिस्ड कॉल करके इस आंदोलन से जुड़ने की अपील की

नई दिल्ली | आरएनएस

अपनी समृद्ध सांस्कृतिक और आर्थिक विरासत के बावजूद, भारत आज भी भूख और कुपोषण जैसे गंभीर समस्याओं का सामना कर रहा है। हर साल देश में लगभग 68.8 मिलियन टन भोजन बर्बाद होता है, जिसकी कीमत ?7,92,000 करोड़ के करीब है। वहीं, पाँच वर्ष से कम आयु के 33.4 मिलियन बच्चे कुपोषण से जूझ रहे हैं, जिनमें से 17.2 मिलियन गंभीर रूप से प्रभावित हैं। सारण सांसद सह पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रुडी ने दिल्ली के कॉन्सटीट्यूशन क्लब मीडिया से बात करते हुए उक्त बाते कही। उन्होंने आगे बताया कि इस के खिलाफ लड़ाई को एक नए आयाम तक पहुंचाने का प्रयास करते हुए आदिबोध फाउंडेशन और रेस्टोरेंट क्रिकेट लीग (आरसीएल) ने ‘‘भूख मुक्त भारत’’ मिशन का शुभारंभ किया। इस पहल के तहत देश में अधिशेष भोजन के बेहतर प्रबंधन और वितरण के जरिए भूखमरी को समाप्त करने के लिए प्रयास होगा। मालूम हो कि आरसीएल के मानद अध्यक्ष सारण सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव प्रताप रुडी है। राजीव प्रताप रुडी ने मिशन की शुरुआत पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि भूखमरी और कुपोषण जैसी समस्याओं का समाधान करना हमारे राष्ट्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। ‘भूख मुक्त भारत’ मिशन केवल एक पहल नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के विजन और संयुक्त राष्ट्र के 2030 तक भूख मिटाने के सतत विकास लक्ष्य की ओर एक ठोस कदम है। उन्होंने आगे कहा कि बिहार में भी इस मिशन के तहत आरसीएल खाद्य बैंक की स्थापना का प्रस्ताव है। यह खाद्य बैंक अधिशेष भोजन को संरक्षित कर उसे जरूरतमंदों तक पहुंचाने का कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि फिलहाल, 26 जनवरी 2025, गणतंत्र दिवस के दिन दिल्ली में नि:शुल्क भोजन वितरण की शुरुआत हो रही है। इसे क्रमश: सभी राज्यों में विस्तारित किया जाएगा, ताकि हर भारतीय को पौष्टिक और संतुलित भोजन सुनिश्चित किया जा सके। ‘‘भूख मुक्त भारत’’ मिशन के संस्थापक अरविंद कुमार और अभिषेक भटनागर ने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि कोई भी भारतीय भूखा न सोए। इस मिशन के जरिए हम एक ऐसी व्यवस्था बनाना चाहते हैं, जहाँ हर व्यक्ति को पोषण सुनिश्चित हो। ‘भूख मुक्त भारत’ अभियान केवल भोजन बचाने की पहल नहीं, बल्कि एक स्वस्थ, समृद्ध और न्यायसंगत भारत की ओर एक कदम है।

राजीव प्रताप रुडी ने देशवासियों से ‘‘भूख मुक्त भारत’’ आंदोलन का हिस्सा बनने की अपील की। कोई भी व्यक्ति 9213332999 पर मिस्ड कॉल देकर या ‘‘भूख मुक्त भारत’’ मंच पर पंजीकरण कराकर इस अभियान से जुड़ सकता है। राजीव प्रताप रुडी ने कहा कि मैं सभी नागरिकों से इस अभियान का हिस्सा बनने का आह्वान करता हूं। आइए, हम सब मिलकर इस आंदोलन को सफल बनाएं और ‘‘भूख मुक्त भारत’’ के प्रयास में सहभागी बने। यह पहल न केवल भूख के खिलाफ एक लड़ाई है, बल्कि एक ऐसे भारत के निर्माण का सपना है जहाँ हर थाली भरी हो।

भारत में एचएमपीवी वायरस का तीसरा केस मिला, अहमदाबाद में 2 महीने का बच्चा पॉजिटिव; एडवाइजरी जारी

अहमदाबाद | आरएनएस

चीन में ह्यूमन मेटान्यूमोवायरस (एचएमपीवी) का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। भारत में भी एचएमपीवी वायरस के मामले सामने आने लगे हैं। बेंगलुरु के बाद गुजरात के अहमदाबाद में 2 महीने के बच्चे की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। बच्चे का एक निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

भारत में अब तक एचएमपीवी वायरस के तीन मामले सामने आ चुके हैं। इनमें से दो कर्नाटक में और अब एक मामला गुजरात के अहमदाबाद से सामने आया है। बच्चे में सर्दी और बुखार के लक्षण हैं। निजी अस्पताल की एक लैब के अनुसार, बच्चे की एचएमवीपी रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। बच्चा मोडासा के नजदीक एक गांव का रहने वाला है। बच्चे की तबीयत सामान्य बताई जा रही है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, गुजरात स्वास्थ्य विभाग ने सोमवार को हेल्थ एडवाइजरी जारी की है। विभाग ने वायरस की गंभीरता को देखते हुए लोगों को सलाह दी है कि यदि आप खांसते या छींकते हैं तो अपने मुंह और नाक को रुमाल से ढके रहें। बीमार हैं तो सार्वजनिक स्थानों पर जाने से बचें। यदि सांस संबंधी समस्या होने पर तुरंत डॉक्टरों को दिखाएं।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, एचएमपीवी वायरस वायरस मुख्य रूप से पीड़ित व्यक्ति के श्वसन तंत्र को प्रभावित करता है। इसके लक्षण कई मामलों में कोविड-19 के समान ही होते हैं। हालांकि, ये वायरस मुख्य रूप से शिशुओं और छोटे बच्चों को संक्रमित करता है। इस वायरस से संक्रमित मरीज में सबसे आम लक्षण खांसी है। इसके साथ हल्का बुखार, घरघराहट, नाक बहना या गले में खराश जैसे परेशानी भी हो सकती है। वायरस से संक्रमित होने के बाद कुछ मामलों में गंभीर लक्षण आ सकते हैं। सांस लेने में तकलीफ भी हो सकती है।

तिरुपति : एंबुलेंस ने पैदल मंदिर जा रहे श्रद्धालुओं को टक्कर मारी, दो महिलाओं की मौत

तिरुपति | आरएनएस

तिरुपति जिले में सोमवार को एक 108 एंबुलेंस ने श्रद्धालुओं के समूह को टक्कर मार दी। इस हादसे में दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, एंबुलेंस ने पैदल तिरुमाला मंदिर जा रहे श्रद्धालुओं के एक समूह को टक्कर मार दी। यह दुर्घटना चंद्रगिरी मंडल के नरसिंहपुरम के पास हुई। हादसे में दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य श्रद्धालु घायल हो गए।

मृतक महिलाओं की पहचान अन्नामय्या जिले के रामसमुद्रम मंडल के चंपलपल्ली निवासी पेड्डा रेड्डम्मा (40) और लक्ष्मम्मा (45) के रूप में हुई है। वहीं, घायलों को तिरुपति के रुइया अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

श्रद्धालु पुंगनूर से तिरुमाला स्थित श्री वेंकटेश्वर मंदिर जा रहे थे, जबकि एंबुलेंस मदनपल्ली से एक मरीज को लेकर तिरुपति जा रही थी। दुर्घटना का सटीक कारण अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस को संदेह है कि इलाके में घना कोहरा होने के कारण यह दुर्घटना हुई। चंद्रगिरी पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बता दें कि कई भक्त अलग-अलग स्थानों से पैदल चलकर तिरुमाला के प्रसिद्ध पहाड़ी मंदिर तक पहुंचते हैं। आंध्र प्रदेश और अन्य राज्यों के विभिन्न हिस्सों से हजारों भक्त हर दिन मंदिर में दर्शन के लिए आते हैं।

इस बीच, रविवार देर रात बापटला जिले में एक घर में आग लगने से दो महिलाओं की मौत हो गई। यह घटना परचूर के तुरपु बाजार में आधी रात के बाद हुई। आग में दो बहनों की मौत हो गई, जबकि उनकी मां घायल हो गई।

मृतकों की पहचान नागमणि (34) और माधवी लता (30) के रूप में हुई है। घायल को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस को संदेह है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी।

बीपीएससी विवाद अब पहुंचा सुप्रीम कोर्ट, प्रीलिम्स परीक्षा रद्द करने की मांग

नई दिल्ली | आरएनएस

बिहार लोक सेवा आयोग की प्रीलिम्स परीक्षा को रद्द करने की मांग का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गई है, जिसमें परीक्षा में व्यापक धांधली का आरोप लगाते हुए इसे रद्द करने की मांग की गई है। याचिका में प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज के लिए जिम्मेदार अधिकारियों (एसपी और डीएम) के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की गई है।

याचिका में मुख्य रूप से परीक्षा रद्द करने का आदेश जारी करने की मांग की गई है, क्योंकि परीक्षा में व्यापक धांधली का आरोप लगाया गया है। याचिकाकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में सीबीआई जांच की भी मांग की है ताकि धांधली के आरोपों की निष्पक्ष जांच हो सके। इसके अतिरिक्त, याचिका में प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग भी शामिल है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। याचिकाकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट से इस मामले पर जल्द सुनवाई का आग्रह किया है, और फिलहाल 7 जनवरी को सुनवाई होने की संभावना है।

13 दिसंबर की परीक्षा में गड़बड़ी

गौरतलब है कि 13 दिसंबर, 2024 को आयोजित बीपीएससी पीटी परीक्षा के दौरान पटना के बापू परीक्षा परिसर में गड़बड़ी पाई गई थी, जिसके बाद आयोग ने उस सेंटर की परीक्षा रद्द कर दी थी। इसके बाद पटना के 22 केंद्रों पर आज परीक्षा फिर से आयोजित की जा रही है।

प्रशांत किशोर का अनशन और आरोप

छात्रों के आंदोलन का नेतृत्व कर रहे जन सुराज के मुखिया प्रशांत किशोर आमरण अनशन पर बैठे हैं, आज उनके अनशन का चौथा दिन है। उन्होंने परीक्षा में धांधली का आरोप लगाते हुए कहा कि सीटें बिकी हुई हैं। उन्होंने कहा कि 15 हजार बच्चों की परीक्षा में 3.5 लाख से ज्यादा बच्चे आंदोलित हैं, और हर जिले और गांव में खबर फैली है कि एक-एक नौकरी के लिए 30 लाख से 1.5 करोड़ तक लिए जा रहे हैं। उन्होंने सरकार से इस पर जवाब देने की मांग की है।

प्रशांत किशोर ने कहा कि उनका अनशन जारी रहेगा और वे अपना काम कर रहे हैं, सरकार को अपना काम करने दीजिए। उन्होंने कहा कि वे पिछले ढाई साल से बिहार में काम कर रहे हैं और अगर वे राजनीति नहीं करेंगे तो क्या करेंगे? उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा कि वे केवल सत्ता में बने रहना चाहते हैं और उन्हें लोगों की चिंता नहीं है।

रेलवे ने पेश की मानवता की मिसाल, कोच से गिरे यात्री को उठाने के लिए 1 किमी रिवर्स चलाई ट्रेन

नई दिल्ली | आरएनएस

एक दुर्लभ घटना में, एक यात्री को बचाने के लिए एक ट्रेन को लगभग एक किलोमीटर पीछे चलाना पड़ा। यह घटना महाराष्ट्र में हुई, जहां तपोवन एक्सप्रेस के एक कोच से गिर गए एक यात्री को बचाने के लिए ट्रेन को रिवर्स में चलाया गया। हालांकि, दुखद रूप से, घायल यात्री को बचाया नहीं जा सका और अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई।

शनिवार सुबह करीब 11 बजे, जब ट्रेन मनमाड जंक्शन पहुंची, तो एक यात्री, सरवर शेख (30 वर्ष, उत्तर प्रदेश) कोच से गिर गया। इस घटना के बाद, ट्रेन के गार्ड ने तुरंत लोको पायलट को सूचित किया। लोको पायलट ने नियंत्रण कक्ष से अनुमति लेकर ट्रेन को रिवर्स में चलाया और घायल यात्री तक पहुंचा।

ट्रेन में मौजूद अन्य यात्रियों की मदद से सरवर शेख को ढूंढा गया और उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, डॉक्टरों ने उसे बचा नहीं पाया। इस घटना के बाद, भारतीय रेलवे की मानवता की इस पहल की काफी प्रशंसा हुई है। हालांकि, यात्री की मृत्यु ने सभी को दुखी कर दिया है।

‘भारत माता की जय’ का विरोध करना शिक्षक को पड़ा महंगा, विभाग ने लिया बड़ा एक्शन

बांका | आरएनएस

बिहार के बांका जिला के एक सरकारी स्कूल के शिक्षक पर कई तरह के गंभीर प्रकृति के आरोपों की शिकायत पाए जाने पर उसे तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। इसमें भारत माता की जय बोलने पर टीका-टिप्पणी करना भी शामिल है। इसको लेकर जिला कार्यक्रम पदाधिकारी द्वारा पत्र भी जारी कर दिया है।

दरअसल, संजय गांधी बालिका उच्च विद्यालय विश्वासपुर, अमरपुर के विशिष्ट शिक्षक मोहम्मद हसन रजा पर विद्यालय कार्यकाल में अध्ययनरत बच्चों के पढ़ाई करने के लिए दिए गए उपस्कर पर गहरी नींद में सोने, कुर्सी पर बैठे हुए सोने तथा बिहार राज्य प्रार्थना गीत करवाने में बाधा पहुंचाने, पोषक क्षेत्र के बाहरी बच्चों को विद्यालय में कबड्डी खिलाने तथा राष्ट्रगान के उपरांत भारत माता की जय बोलने पर टीका-टिप्पणी करने संबंधित गंभीर प्रकृति के आरोपों की शिकायत प्राप्त हुई।

इसके बाद विभिन्न तिथियों में कई बार विद्यालय का स्थलीय निरीक्षण भी विभाग द्वारा किया गया तथा निरीक्षण के क्रम में शिक्षक मोहम्मद राजा के द्वारा जानबूझकर अवज्ञा एवं अनुशासनहीनता सहित विद्यालय कार्यकाल में अपने पदीय दायित्व का निर्वहन नहीं कर शैक्षणिक कार्य में असहयोगात्मक रवैया रखने का तथ्य परिलक्षित हुआ।

बाद में राजा को कर्तव्यहीनता एवं अनुशासनहीनता के आरोप में निलंबित कर दिया गया। उनके विरुद्ध विशिष्ट शिक्षक नियमावली के तहत विभागीय कार्रवाई भी शुरू करने का आदेश जारी कर दिया गया है। निलंबन की अवधि में इनका मुख्यालय प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी, चांदन का कार्यालय निर्धारित किया गया है।

डीपीओ संजय कुमार यादव ने बताया कि हसन रजा के विरुद्ध लगातार शिकायतें मिल रही थीं। कई साक्ष्य भी विभाग के पास हैं। उन्हें निलंबित कर विभागीय कार्रवाई के अधीन कर दिया गया है।

बताया गया कि विद्यालय की विभिन्न गड़बडिय़ों पर प्रभारी प्रधानाध्यापक सह विशिष्ट शिक्षक राजीव कुमार से भी विभिन्न आरोपों में स्पष्टीकरण मांगा गया है। मालूम हो कि विद्यालय के पूर्व प्रभारी प्रधानाध्यापक विनय राय को भी विभिन्न आरोपों पर कुछ दिन पहले हटा दिया गया है। इसके बाद वे चिकित्सा अवकाश में चल गए हैं।

‘इमरजेंसी’ का ट्रेलर आउट, कंगना ने कहा- ‘कहानी सिर्फ एक विवादित नेता के बारे में नहीं

मुंबई | आरएनएस

अभिनेत्री-सांसद कंगना रनौत की फिल्म ‘इमरजेंसी’ का दूसरा ट्रेलर सोमवार को जारी हो चुका है। कंगना ने कहा कि ‘इमरजेंसी’ की कहानी सिर्फ एक विवादित नेता के बारे में नहीं है बल्कि यह उन विषयों पर आधारित है, जो आज भी प्रासंगिक हैं।

पहले ट्रेलर की तुलना में नए ट्रेलर में और भी ज्यादा इंटेंसिटी और राजनीतिक दमखम दिखाया गया। ट्रेलर में 1975 के उथल-पुथल भरे दिनों और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की घोषणा, इंदिरा इज इंडिया को दिखाया गया है।

कंगना रनौत ने फिल्म की कहानी के बारे में बताया, चुनौतियों से भरी एक लंबी यात्रा के बाद, मुझे खुशी है कि हमारी फिल्म ‘इमरजेंसी’ आखिरकार 17 जनवरी को बड़े पर्दे पर रिलीज के लिए तैयार है। यह कहानी सिर्फ एक विवादित नेता के बारे में नहीं है, यह उन विषयों पर आधारित है जो आज भी प्रासंगिक हैं, जिससे यह यात्रा कठिन और महत्वपूर्ण दोनों बन जाती है।

कंगना ने आगे कहा, गणतंत्र दिवस से ठीक एक सप्ताह पहले रिलीज होने वाली यह फिल्म हमारे संविधान की दृढ़ता पर विचार करने और अपने प्रियजनों के साथ फिल्म का अनुभव करने का सही समय है।

निर्माता उमेश केआर बंसल ने कहा, 1975 के आपातकाल को 50 साल पूरे होने को हैं। ऐसे में यह फिल्म न केवल एक ऐतिहासिक पुनर्कथन है बल्कि यह लोकतंत्र की दृढ़ता पर एक प्रतिबिंब भी है और उन लोगों को श्रद्धांजलि है, जिन्होंने इसके लिए लड़ाई लड़ी।

उन्होंने आगे कहा, इमरजेंसी एक सिनेमाई मील का पत्थर है, जो दर्शकों को सवाल करने, जुड़ने और स्वतंत्रता की कीमत को याद करने की चुनौती देता है।

17 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज को तैयार ‘इमरजेंसी’ की निर्माता-निर्देशक के साथ लीड एक्टर भी कंगना रनौत खुद हैं। ‘इमरजेंसी’ में कंगना रनौत के साथ अनुपम खेर, महिमा चौधरी, मिलिंद सोमन, श्रेयस तलपड़े, विशाक नायर के साथ ही दिवंगत सतीश कौशिक जैसे कलाकार भी शामिल हैं।

जी स्टूडियो, मणिकर्णिका फिल्म्स और रेणु पिट्टी ने फिल्म का निर्माण किया है। संचित बलहारा और जी.वी. प्रकाश कुमार ने फिल्म के संगीत को कंपोज किया है।